

प्रेषक,

एम0सी0 उप्रेती,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

वित्त अधिकारी
इरला चैक अनुभाग,
उत्तराखण्ड शासन।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक: 26 अप्रैल, 2011

विषय:- वित्तीय वर्ष 2011-2012 के आय-व्ययक से ऊर्जा सैल को आयोजनेत्तर पक्ष में धनराशि आवंटित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश सं0 209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31.03.2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ऊर्जा सैल में तैनात कार्मिकों के वेतन, भत्तों एवं अन्य मदों हेतु आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष रु0 7,63,000.00 (रु0 सात लाख तिरसठ हजार मात्र) की धनराशि, जिसका मानक मदवार विवरण निम्नानुसार है, को निम्न शर्तों के अधीन व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

मानक कोड एवं मद का नाम	धनराशि (रु0 हजार में)
01- वेतन	400
03- महंगाई भत्ता	240
04- यात्रा व्यय	10
06- अन्य भत्ते	44
08- कार्यालय व्यय	25
11- लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	12
27- चिकित्सा प्रतिपूर्ति	07
47- कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का कय	25
योग:-	763

(रु0 सात लाख तिरसठ हजार मात्र)

- उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल व अन्य मितव्ययता संबंधी आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये, नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

....2

- 3- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस हेतु यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।
- 4- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय की प्रतिमाह सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।
- 5- वित्तीय वर्ष 2011-12 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान यदि कोई हो, के विवरण की सूचना ऊर्जा सैल द्वारा अलग से रखा जायेगा।
- 6- स्वीकृत की जा रही धनराशि को व्यय करते समय मित्तव्ययता का समूचित ध्यान रखा जायेगा तथा समस्त वित्तीय/प्रशासनिक नियमों का अनुपालन किया जायेगा। सामग्री क्रय करते समय अधिप्राप्ति नियमावली का अनुपालन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक के अनुदान सं० 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2801-बिजली-05-पारेषण एवं वितरण-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-03-ऊर्जा विकास निधि का प्रबन्धन-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

2- यह आदेश वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या: 209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31.03.2011 द्वारा प्रदत्त अधिकारों के कम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम०सी० उप्रेती)
अपर सचिव

संख्या: 748 /I(2)/2011-05/31/07, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्य, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- वित्त अधिकारी, सी०पी० एण्ड ओ०/साइबर कोषागार, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
- 4- अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन एवं बजट प्रकोष्ठ।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- 6- प्रभारी, ऊर्जा सैल।
- 7- प्रभारी, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- बीजक हेतु (दो प्रति)।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम०एम० सेमवाल)
अनु सचिव